

केला



अधिक जानकारी के लिए संपर्क:
82 7373 3030/82 7373 3535

फल का नाम: केला

वैज्ञानिक नाम: मुसा पॅराडेसिका

कुल: मुसासी

दूरी/अंतर: 5x6 फूट

प्रमुख किस्म: ग्रॅंड नाइन (टिश्यू कल्चर)

केले के गुणधर्म:

भारत दुनिया का सबसे बड़ा केला उत्पादक देश है। आंध्रप्रदेश पहले स्थान पर है, उसके बाद महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु आते हैं।

केला बहुउपयोगी और बहुपोषक फल है। यह फाइबर, पोटैशियम और विटामिन से भरपूर होता है।

मिट्टी: अच्छी जल-निकासी वाली, मध्यम से काली मिट्टी, जैविक पदार्थों से भरपूर, 6.5–7.5 pH वाली मिट्टी इसके लिए सबसे उपयुक्त है।

जलवायु:

केला उष्णकटिबंधीय पौधा है जिसे गर्म और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है।

- उपयुक्त तापमान: 20–30° C
- 10° C से कम और 40° C से अधिक तापमान पौधे की वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।
- 100–320 सेमी वार्षिक वर्षा अनुकूल रहती है।

उत्पादन:

- रोपाई के 10–12 महीने बाद उत्पादन शुरू होता है।
- औसतन 25–30 किलो/पौधा (लगभग 35–40 टन प्रति एकड़)।

प्रमुख कीट: पत्ती खाने वाली इल्ली, थ्रिप्स, मावा, लाल मकड़ी, सफेद मक्खी।

प्रमुख रोग: एरविनिया रूट रॉट, सिगाटोका पत्ती दाग, सीएमवी, कॉलर रॉट।



केला

ग्रैंड नाइन (टिशू कल्चर)



अधिक जानकारी के लिए संपर्क:
82 7373 3030/82 7373 3535

रोपण दिनांक : आगामी सितम्बर – अक्टूबर 2025

दूरी/अंतर : 6 x 5 फीट

रोपण क्षेत्र : 20 आर

पौधों की संख्या : 650

ग्रैंड नैन की विशेषताएँ :

- ग्रैंड नाइन (G9) उच्च उत्पादन वाली किस्म है (30 किलो/पौधा)।
- लंबे, बेलनाकार गूदा, आकर्षक फल।
- अच्छी शेल्फ-लाइफ और लंबी दूरी के परिवहन के लिए उपयुक्त।
- टिशू कल्चर के लिए उत्तम, रोग व कीट प्रतिरोधक।

उत्पादन:

- औसतन 25–30 किलो/पौधा।
- अधिकतम 35–40 किलो/पौधा (35–40 टन प्रति एकड़)।

